Electrohomoeopathic (Regd. No. S/67528/2009)
Research and Development Organisation Of India

Working Office : 403, Isha Residency, Gujarwadi Road, Katraj, Pune- 411046
Ph. + 91-9417712064 , 91-8605105328
Email : erdo.india@gmail.com, drajit_7@hotmail.com Website: www.erdoindia.com

Dr. Satish Jagdale
President
(Maharashtra)

Dr. Ajit Singh
Gen. Secretary
(Punjab)

Dr. Debashish Kundu
Patron
(West Bengal)

Dr. Saraj Shahu
Working President
(Orissa)

Dr. Jagdeep Narang
Vice President
(New Delhi)

Dr. Tarsem Singh
Secretary
(Panjab)

Dr. Basavraj Muddapure
Joint Secretary
(Karnataka)

Dr. Mohd Aslam
Treasurer
(Utter Pardesh)

Dr. Kalyan Singh
Executive member
(Utter Pardesh)

Dr .Vinod Samrat
Executive member
(Utter Pardesh)

Advisor
Dr. Bahubali Shah
Ex Chariman,
Maharashtra Concil
Of Homoeopathic
(Maharashtra)

Ref NO: ERDO/245/26 **Date: 09/01/2026**

स्पायजेरिक दवाओं को महाराष्ट्र शासन के FDA की मान्यता प्राप्त हुई है।

सभी इलेक्ट्रोहोम्योपैथी चिकित्सक भाइयों एवं बहनों,

काउंट सीज़र मैटी साहब की 217वीं जयंती के शुभ अवसर पर पूरे इलेक्ट्रोहोम्योपैथी जगत के लिए यह अत्यंत हर्ष का समाचार है कि महाराष्ट्र शासन के FDA द्वारा स्पैजेरिक एसेंस (इलेक्ट्रोहोम्योपैथी दवाओं) के निर्माण के लिए मान्यता प्रदान की गई है। संगठन के अथक प्रयासों को क्रांतिकारी सफलता प्राप्त हुई है। निरंतर प्रयास करने से निश्चित रूप से सफलता मिलती है,यह अब सिद्ध हो गया है।

अब तक भारत में इलेक्ट्रोहोम्योपैथी दवाओं को कानूनी रूप से "मेडिसिन" या "ड्रग्स" नहीं कहा जा सकता था। लेकिन इस विषय में पिछले कई वर्षों से किंग्स हर्बल रिसर्च लैबोरेटरी,ERDO इंडिया तथा MAEH महाराष्ट्र संगठन के संयुक्त प्रयास जारी थे। इन्हीं प्रयासों के फलस्वरूप यह सफलता प्राप्त हुई है। आगे से इलेक्ट्रोहोम्योपैथी की दवाओं को कानूनी एवं वैज्ञानिक दृष्टि से मान्यता प्राप्त मानी जाएगी। इससे पहले ही न्यायालय तथा शासन द्वारा इलेक्ट्रोहोम्योपैथी प्रैक्टिस की अनुमति प्रदान की जा चुकी है। अब शासन मान्यता प्राप्त FDA द्वारा स्वीकृत दवाओं के उपयोग से आपकी प्रैक्टिस में आने वाली सभी समस्याएँ स्थायी रूप से समाप्त होंगी। साथ ही,इस विकास के कारण शासन से इलेक्ट्रोहोम्योपैथी चिकित्सा पद्धति को मान्यता दिलाना भी आसान हो गया है।

1) भारत सरकार के ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट 1940 के शेड्यूल-2 में निहित कानूनी प्रावधानों के अनुसार,महाराष्ट्र शासन के FDA द्वारा प्राप्त ड्रग लाइसेंस के अंतर्गत इन दवाओं का निर्माण किया जाएगा।

2) इलेक्ट्रोहोम्योपैथी की दवाएँ स्पैजेरिक एसेंस द्वारा बनाई जाती हैं,यह सभी को ज्ञात है। इन स्पैजेरिक एसेंस को बनाने की झिंपल और क्रॉस विधियाँ जर्मन होम्योपैथिक फार्माकोपिया (GHP) में शामिल हैं।और भारत सरकार के ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट 1940 के शेड्यूल-2 के अंतर्गत महाराष्ट्र शासन के FDA की अनुमति से भारत में पहली बार इन एसेंस के निर्माण की अनुमति प्राप्त हुई है।

3) इसके अनुसार महाराष्ट्र शासन के FDA को सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित प्रस्ताव प्रस्तुत कर आधिकारिक लाइसेंस प्राप्त किया गया है, जिसके अंतर्गत काउंट सीज़र मैटी द्वारा प्रतिपादित 38 दवाएँ तथा थियोडर क्रॉस द्वारा प्रतिपादित 22 दवाएँ, कुल 60 दवाओं का निर्माण किया जाएगा। इससे भविष्य में इलेक्ट्रोहोम्योपैथी चिकित्सा पद्धति को एक स्वतंत्र चिकित्सा पद्धति के रूप में मान्यता प्राप्त करने में यह अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

4) एक और महत्वपूर्ण विषय यह है कि फार्माकोपिया कमीशन ऑफ होम्योपैथी (भारत सरकार का होम्योपैथी विभाग) से संगठन को एक आधिकारिक पत्र प्राप्त हुआ है, जिसमें यह स्पष्ट किया गया है कि इलेक्ट्रोहोम्योपैथी की झिंपल और क्रॉस स्पैजेरिक पद्धति की दवाओं के निर्माण की विधियाँ इंडियन होम्योपैथिक फार्माकोपिया में शामिल नहीं हैं। इससे यह भी स्पष्ट हो गया है कि झिंपल और क्रॉस की स्पैजेरिक लिक्विड डायल्यूशन बनाने की विधियाँ इंडियन होम्योपैथी अर्थात होम्योपैथी का हिस्सा नहीं हैं।

5) इसी के साथ राजस्थान सरकार ने दि.4 दिसंबर 2025 को इलेक्ट्रोहोम्योपैथी दवा निर्माण एवं इलेक्ट्रोहोम्योपैथी फार्माकोपिया के निर्माण हेतु एक स्वतंत्र शासकीय समिति का गठन किया है। इस समिति को 19 दिसंबर 2025 को किंग्स हर्बल रिसर्च लैबोरेटरी द्वारा 569 पृष्ठों का वैज्ञानिक एवं कानूनी डेटा प्रस्तुत किया गया है। विशेष बात यह है कि राजस्थान सरकार की ओर से भी इस झिंपल एवं क्रॉस विधियों के अनुसार ही संपूर्ण जानकारी मांगी थी। इसके परिणामस्वरूप शीघ्र ही देश का पहला शासन मान्य स्वतंत्र इलेक्ट्रोहोम्योपैथी फार्माकोपिया प्रकाशित होगा,जो सभी राज्यों में मान्यता के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

6) इन सभी क्रांतिकारी विकासों की विस्तृत जानकारी सभी चिकित्सकों तक पहुँचाने तथा दवाओं की गुणवत्ता, वैज्ञानिक आधार एवं उपयोग की तकनीक समझाने के उद्देश्य से 15 फरवरी से 15 मार्च 2026 के बीच महाराष्ट्र के सभी जिलों में एकदिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों में विशेष रूप से डॉ.अजीत सिंह,डॉ.सतीश जगदाळे तथा संबंधित विभागों के वरिष्ठ राज्यस्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

इस अभियान से पूर्व,मुंबई मंत्रालय में दि. 9 एवं 10 फरवरी 2026 को महाराष्ट्र राज्य के खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री के कर-कमलों द्वारा इन दवाओं की पहली बैच के किट का अनावरण किया जाएगा। इसके पश्चात 15 फरवरी 2026 को शिवछत्रपति कालीन हिंदवी स्वराज्य की राजधानी सातारा में आयोजित कार्यक्रम में चिकित्सकों को ये किट वितरित किए जाएंगे।

आपका

डॉ. सतीश जगदाळे
अध्यक्ष – MAEH, महाराष्ट्र
अध्यक्ष – ERDO इंडिया
जनरल सेक्रेटरी – जॉइंट कमिटी ऑफ इंडिया
Email:electrohomoeopathy09@gmail.com
Mo: 8605105328

डॉ.अजित सिंह.
जनरल सेक्रेटरी,ईआरडीओ .
उपाध्यक्ष, जॉइंट कमिटी ऑफ इंडिया
Email:drajit_7@hotmail.Com
Mo: 9417712064

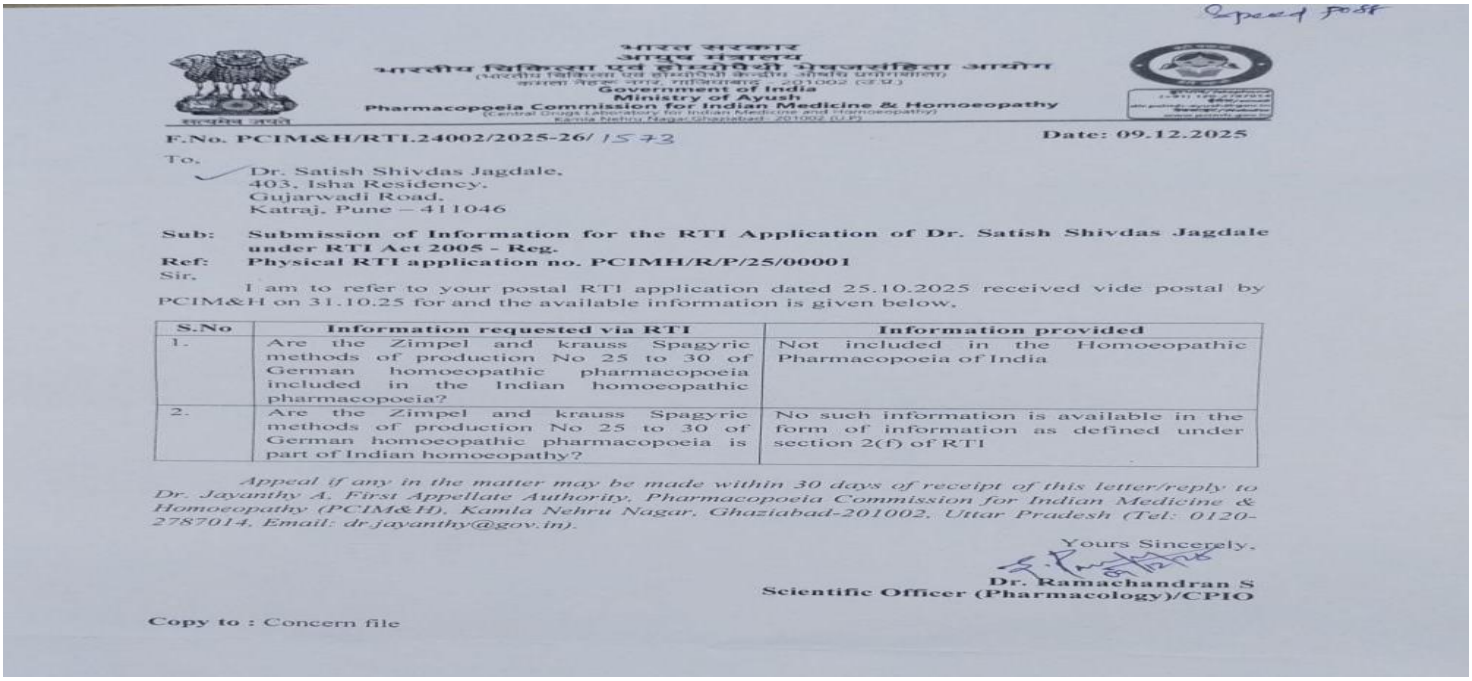

भारत सरकार
आयुष मंत्रालय
भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी फार्माकोपिया आयोग
Government of India
Ministry of Ayush
Pharmacopoeia Commission for Indian Medicine & Homoeopathy

F.No. PCIM&H/RTI.24002/2025-26/ 1573 Date: 09.12.2025

To,
Dr. Satish Shivdas Jagdale,
403, Isha Residency,
Gujarwadi Road,
Katraj, Pune – 411046

Sub: Submission of Information for the RTI Application of Dr. Satish Shivdas Jagdale under RTI Act 2005 - Reg.
Ref: Physical RTI application no. PCIMH/R/P/25/00001

Sir,
I am to refer to your postal RTI application dated 25.10.2025 received vide postal by PCIM&H on 31.10.25 for and the available information is given below,

S.No	Information requested via RTI	Information provided
1.	Are the Zimpel and krauss Spagyric methods of production No 25 to 30 of German homoeopathic pharmacopoeia included in the Indian homoeopathic pharmacopoeia?	Not included in the Homoeopathic Pharmacopoeia of India
2.	Are the Zimpel and krauss Spagyric methods of production No 25 to 30 of German homoeopathic pharmacopoeia is part of Indian homoeopathy?	No such information is available in the form of information as defined under section 2(f) of RTI

Appeal if any in the matter may be made within 30 days of receipt of this letter/reply to Dr. Jayanthy A, First Appellate Authority, Pharmacopoeia Commission for Indian Medicine & Homoeopathy (PCIM&H), Kamla Nehru Nagar, Ghaziabad-201002, Uttar Pradesh (Tel: 0120-2787014, Email: dr.jayanthy@gov.in).

Yours Sincerely,
Dr. Ramachandran S
Scientific Officer (Pharmacology)/CPIO

Copy to : Concern file

UDYAM NO: MH- 26-0159712

NATURAL REMEDIES ENTERPRISES

Office No-212. Sixth Sense Shopping Center, Morebag, Katraj Chowk,

Pune-411043 | Mo-8605105328 | Email-electrohomoeopathy09@gmail.com

Ref No: NRE/18/26 Date: 09/01/2026

प्रति,
समस्त इलेक्ट्रोहोमिओपॅथी चिकित्सक,

इलेक्ट्रोहोम्योपैथी चिकित्सा पद्धति की वास्तविक प्रगति पूर्ण रूप से इस चिकित्सा पद्धति के वैज्ञानिक विकास पर निर्भर करती है। शासन स्तर पर भी इन्हीं बातों पर अधिक विचार किया जाता है। शासन की दृष्टि से जनता के स्वास्थ्य से संबंधित औषधियों एवं सौंदर्य प्रसाधनों पर अत्यंत सूक्ष्म अध्ययन किया जाता है तथा दिन-प्रतिदिन इसके लिए कठोर कानून बनाए जाते हैं।
आज तक इलेक्ट्रोहोम्योपैथी औषधियों के संबंध में कहीं भी कोई अनुचित या आपत्तिजनक घटना नहीं घटी है, यह हम सभी के लिए भाग्यशाली बात है। आगे चलकर तो हमारी औषधियाँ अब एफडीए द्वारा मान्यता प्राप्त होने जा रही हैं,जिससे हमें कानूनी सुरक्षा भी प्राप्त होगी।

ये औषधियाँ वर्तमान में नैचरल रेमेडीज एंटरप्राइजेस,पुणे की ओर से दो प्रकार के किट के रूप में उपलब्ध कराई जाएँगी–

1) काउंट सीज़र मैटी प्रणीत 38 औषधियों का 20 एमएल का किट – ₹3800/-

2) काउंट सीज़र मैटी प्रणीत 38 औषधियाँ + क्रॉस प्रणीत 22 औषधियाँ, कुल 60 औषधियों का 20 एमएल का किट – ₹6000/-

उपरोक्त दोनों में से कोई भी किट आप ले सकते हैं। इस किट की बुकिंग 10 जनवरी से 20 जनवरी 2026 के बीच की जा सकेगी। 15 फरवरी से 15 मार्च के दौरान महाराष्ट्र के छह विभागों–कोकण,पश्चिम महाराष्ट्र,उत्तर महाराष्ट्र, मराठवाड़ा एवं अमरावती में आयोजित एकदिवसीय कार्यक्रमों में शेष किट राशि जमा कर संबंधित चिकित्सक को किट प्रदान की जाएगी।

इसके साथ ही सभी को एक परिपूर्ण मराठी/हिंदी पुस्तक भी दी जाएगी, जिसमें इलेक्ट्रोहोम्योपैथी की परिभाषा से लेकर इलेक्ट्रोहोम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के अनुसार डायग्नोसिस कैसे करें, इलेक्ट्रोहोम्योपैथी और होम्योपैथी में सटीक अंतर क्या है, इलेक्ट्रोहोम्योपैथी ट्रीटमेंट कैसे करें–इन सभी विषयों की जानकारी होगी।
साथ ही 114 वनस्पतियाँ कौन-सी हैं, उनमें से भारत में कितनी उपलब्ध हैं, शेष वनस्पतियाँ कहाँ से और कैसे मंगाई जाती हैं, किस पौधे से कौन-सी औषधि बनती है और वह कैसे बनाई जाती है–यह सब विवरण दिया गया होगा। इसके अतिरिक्त किन स्पैजेरिक विधियों से वैज्ञानिक औषधियाँ बनाई जाती हैं, वे औषधियाँ कौन-सी हैं और उनका दैनिक प्रैक्टिस में कैसे उपयोग किया जा सकता है, साथ ही अपनी प्रैक्टिस में स्वयं के फॉर्मूले कैसे तैयार करें–इन सभी विषयों की संपूर्ण जानकारी शुद्ध मराठी/हिंदी में दी जाएगी।

इन छह प्रादेशिक कार्यक्रमों में डॉ.अजित सिंह एवं डॉ. सतीश जगदाळे संपूर्ण दस्तावेज़ों के साथ उपस्थित रहकर मार्गदर्शन करेंगे। साथ ही उनके साथ राज्य कार्यकारिणी के वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।इलेक्ट्रोहोम्योपैथी विश्व की एक अत्यंत शुद्ध, प्राकृतिक, शीघ्र प्रभावी, सस्ती एवं दुष्प्रभाव रहित चिकित्सा पद्धति है।

इस पद्धति में हो रही निरंतर वैज्ञानिक प्रगति के साथ सभी को अपडेट रहना आवश्यक है। इसके लिए किट की बुकिंग होते ही संबंधित व्यक्ति को एक अलग व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा जाएगा,जहाँ निरंतर आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही प्रत्येक बुधवार एवं रविवार रात 9 बजे ऑनलाइन प्रशिक्षण भी प्रारंभ किया जाएगा।

अतः इच्छुक व्यक्ति आज ही ₹1000/- की अग्रिम राशि जमा कर नीचे दिए गए गूगल पे अथवा फोन पे नंबर पर या क्यूआर कोड स्कैन करके अपनी बुकिंग सुनिश्चित करें।

धन्यवाद।

किट बुकिंग के लिए:
गुगल पे किंवा फोन पे नंबर
डॉ.सतीश जगदाळे.
8605105328
बँक स्कॅनिंग कोड:

ACCEPTED HERE

Scan & Pay Using PhonePe App

SATISH SHIVDAS JAGDA

सूचना: जो चिकित्सक यह किट कुरिअर द्वारा लेना चाहता हैं! उसे कुरिअर चार्जेस एक्स्ट्रा देना होगा!

आपका,
डॉ.सतीश जगदाळे
अध्यक्ष- एमएईएच,महाराष्ट्र
अध्यक्ष- इआरडीओ इंडिया
जनरल सेक्रेटरी- जॉईंट कमिटी ऑफ इंडिया